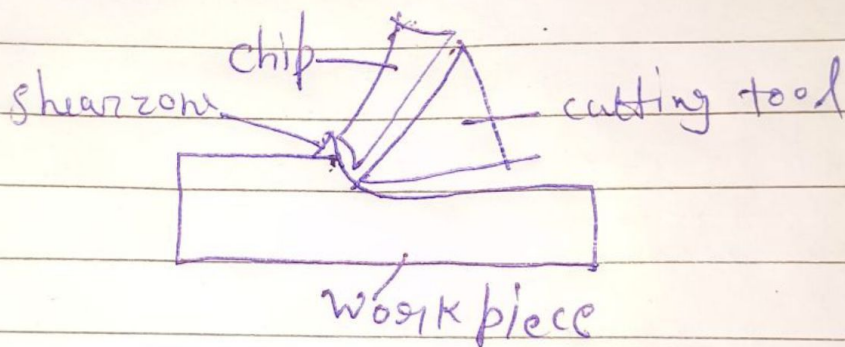


## Section - 3

Ans - (3)

Continuous chipping इसी क्षेत्र में जब उत्पन्न होती है जब पिछा लीट

मृदु इस्पात तथा ऐल्युमिनियम जैसे नरम पदार्थों का मजकूर देधानों के अंतर्गत मशीन किया जाता है। इसमें व मोचर के अंतरोफलक पर हीरे वाले धातु का मोचर फलक पर उपयुक्त पॉलिश लकें और पर्याप्त मात्रा में शीतलक का प्रयोग लकें काम किया जाता है।



चित्र 3 - continuous chipping

प्रेश ड्राई ड्राई का सम्पूर्ण भाग हट तथा

प्रेश के रोल से जुड़ा रहता है।

पंच कहलाता है। ड्राई इस लैच्युल इकाई का

मादा भाग होता है। इसे सामान्य प्रेश

के सेक्टर पर इकाई के अंदर में रोक

दिए जा सकते हैं। जो कि वल की

लगाकर पश्च पर ड्राई के मोचर के कार है।